

अनुक्रमांक .

नाम

102

302(HN)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(खण्ड-क)

1. क) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं
 - i) मुंशी सदासुखलाल ii) इंशा अल्ला खाँ iii) बैकुंठमणि शुक्ल iv) गोकुलनाथ
- ख) 'यदि गद्य कवियों की कसौटी है तो निबन्ध गद्य की कसौटी है।' यह कथन किस साहित्यकार का है ?
 - i) प्रतापनारायण मिश्र ii) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
 - iii) महावीरप्रसाद द्विवेदी iv) अम्बिकादत्त व्यास
- ग) 'पद्मावत की संजीवनी व्याख्या' ग्रंथ में गद्य की विधा है
 - i) नाटक ii) कहानी
 - iii) उपन्यास iv) आलोचना
- घ) तेलुगू भाषी तमिल, कन्नड़ और मलयालम साहित्य सृजन के साथ हिन्दी के लब्धप्रतिष्ठ निबन्धकार हैं
 - i) डॉ० अब्दुल कलाम ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी
 - iii) जैनेन्द्र कुमार iv) राम कुमार वर्मा
- ङ) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी निम्न में से किस उपन्यास के रचनाकार नहीं हैं ?
 - i) गबन ii) पुनर्नवा
 - iii) अनामदास का पोथा iv) बाणभट्ट की आत्मकथा
2. क) हिन्दी काव्य साहित्य के किस युग को 'जागरण-सुधार काल' कहा जाता है ?
 - i) भारतेन्दु-युग ii) द्विवेदी-युग iii) छायावाद युग iv) प्रगतिवाद युग
- ख) 'परशुराम की प्रतीक्षा' के रचनाकार हैं
 - i) मैथिलीशरण गुप्त ii) जयशंकर प्रसाद
 - iii) रामधारी सिंह 'दिनकर' iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

ग) 'झाँसी की रानी' कविता किसकी रचना है ?

i) मैथिलीशरण गुप्त

iii) श्याम नारायण पाण्डेय

घ) 'छायावाद' के कवि हैं

i) रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'

iii) भवानी प्रसाद मिश्र

ङ) 'प्रकृति के सुकुमार कवि' किसे कहा जाता है ?

i) महादेवी वर्मा

iii) सुमित्रानन्दन पन्त

ii) मुभद्रा कुमारी चौहान

iv) मोहन लाल द्विवेदी

ii) गजानन माधव मुंक्तबांध

iv) महादेवी वर्मा

ii) शकुन्तला माथुर

iv) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

मुझे मानव-जाति की दुर्दम-निर्मम धारा के हजारों वर्ष का रूप साफ दिखायी दे रहा है। मनुष्य की जीवनी-शक्ति बड़ी निर्मम है, वह सभ्यता और संस्कृति के वृथा मोहों को रौंदती चली आ रही है। न जाने कितने धर्माचारों, विश्वासों, उत्सवों और व्रतों को धोती-बहाती यह जीवन-धारा आगे बढ़ी है। संघर्षों से मनुष्य ने नयी शक्ति पायी है। हमारे सामने समाज का आज जो रूप है, वह न जाने कितने ग्रहण और त्याग का रूप है। देश और जाति की विशुद्ध संस्कृति केवल बाद की बात है।

i) प्रस्तुत गद्यांश के पाठ का शीर्षक एवं लेखक के नाम का उल्लेख कीजिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) मनुष्य ने नयी शक्ति किससे पायी है ?

iv) उपर्युक्त गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

v) 'धर्माचारों' और 'विश्वासों' के अर्थ लिखिए।

अथवा

कुछ लोग बड़े निर्दोष मिथ्यावादी होते हैं, वे अमर्त्य प्रकृति के वशीभूत झूठ बोलते हैं। उनके मुख से निष्प्रयास, निष्प्रयोजन झूठ ही निकलता है। मेरे एक रिश्तेदार ऐसे हैं। वे अगर बम्बई जा रहे हैं और उनसे पूछें तो वे कहेंगे, "कलकत्ता जा रहा हूँ।" ठीक बात उनके मुँह से निकल ही नहीं सकती। 'क' भी बड़ा निर्दोष, सहज-स्वाभाविक मिथ्यावादी है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) लेखक अपने विरोधियों की निन्दा सुनकर किस प्रकार आनन्दित होता है ?

iv) निर्दोष मिथ्यावादी लोग कौन होते हैं ?

v) 'स्वाभाविक' एवं 'निर्दोष' में क्रमशः प्रत्यय एवं उपसर्ग छाँटकर लिखिए।

4. दिखे गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बनो संसृति के मूल रहस्य

तुम्हीं से फैलेगी वह बेल

विश्व वन सौरभ से भर जाय

सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।

और यह क्या तुम सुनते नहीं

विधाता का मंगल वरदान-

"शक्तिशाली हो, विजयी बनो"

विश्व में गूँज रहा जय गान ।

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) 'बनो संसृति के मूल रहस्य' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए ।

iv) इस पद्यांश में पूरा विश्व किसका विजय गान कर रहा है ?

v) 'शक्तिशाली हो, विजयी बनो' पंक्ति के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है ?

अथवा

सूखी जाती मलिन लतिका जो धरा में पड़ी हो

तो पाँवों के निकट उसको श्याम के ला गिराना

यों सीधे से प्रकट करना प्रीति से वंचिता हो ।

मेरा होना अति मलिन और सूखती नित्य जाना ॥

i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) सूखी लता के माध्यम से नायिका अपने श्याम को क्या संदेश देना चाहती है ?

iv) कवि ने नायिका की शारीरिक स्थिति की तुलना किससे और क्यों की है ?

v) प्रस्तुत पद्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

3 + 2 = 5

i) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

ii) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी

iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

- अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- जयशंकर प्रसाद
- महादेवी वर्मा

3 + 2 = 5 8

6. 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

अथवा

'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु की प्रमुख विशेषतायें लिखिए ।

अथवा

"राष्ट्र नायक गाँधी 'मुक्तियज्ञ' के मुख्य पुरोधा हैं ।" इस कथन को ध्यान में रखते हुए गाँधीजी के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के सर्वाधिक मार्मिक प्रसंग का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

"जिएँ हम और जिएँ सब लोग ।" इस कथन की पुष्टि 'सत्य की जीत' के आधार पर कर धृतराष्ट्र का चरित्र-चित्रण कीजिए । <https://www.upboardonline.com>

iii) 'रश्मिरथी' के पंचम सर्ग की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर नमक-सत्याग्रह का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

अथवा

"जुड़ता जब सम्बन्ध हृदय का भेदभाव मिट जाता है ।

देश जाति रंगों से गहरा, मानवता का नाता है" ॥

कथन के आलोक में महात्मा गाँधी के चरित्र पर प्रकाश डालिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का क्रमबद्ध उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' की प्रमुख नारी पात्र राज्यश्री की चरित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

vi) " 'श्रवणकुमार' के चरित्र में देवोपम गुणों के साथ-साथ मानव सुलभ दुर्बलताएँ भी दिखायी गयी हैं ।" इस कथन के सम्बन्ध में श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

(खण्ड-ख)

(क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

2 + 5 = 7

इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण-महाभारताद्यौतर्हासिक ग्रन्थाः, चत्वारो वेदाः, सर्वा उपनिषदः, अष्टादशपुराणानि, अन्ये च महाकाव्य-नाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति। इयमेव भाषा सर्वसामर्थ्यभाषाणां जननी मन्वते भाषातत्त्वविद्भिः।

अथवा

बौद्ध युगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्पर मैत्री सहयोग-करणानि, विश्व-बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्रीजवाहरलालनेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीन देशेन सह भारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत्। यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मं निष्ठावन्तौ। आधुनिक जगति पञ्चशीलसिद्धान्तः नवीनं राजनैतिकं स्वरूपं गृहीतवन्तः।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो
यद् भर्तुरेव हितमिच्छति तत् कलत्रम्।
तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्
एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ॥

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती।
तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

- (i) हाथ-पाँव मारना (ii) अगर-मगर करना
(iii) अधजल गगरी छलकत जाय (iv) बन्दर क्या जाने अदरक का स्वाद।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संस्कृत में एक सूत्रवाक्य है, 'गहना कर्मणो गतिः' अर्थात् कर्मों की गति अत्यन्त गूढ़ और न्यारी है। कर्म सिद्धान्त के अनुसार, कुछ कर्मों को बदला जा सकता है, लेकिन कुछ कर्म नहीं बदले जा सकते। दूध से दही बनता है, उसे खट्टा या मीठा बनाया जा सकता है, लेकिन दही को वापस दूध में बदल नहीं सकते। जो कर्म प्रकट हो रहा है और जिसका प्रभाव दिखना शुरू हो गया है, वह प्रारब्ध कर्म है। आप प्रारब्ध कर्म को बदल नहीं सकते क्योंकि यह वर्तमान में घटित होने लगा है। संचित कर्म अतीत के कर्मों का परिणाम है। यह मन के भीतर अव्यक्त प्रवृत्तियों के रूप में बना रहता है। संचित कर्मों को आध्यात्मिक अभ्यास द्वारा उनके अभिव्यक्त होने के पहले ठीक किया जा सकता है। हमारे द्वारा किये गये कृत्यों के भविष्य में होनेवाले परिणाम आगामी कर्म कहे जाते हैं।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।
(ii) प्रारब्ध कर्म किसे कहा गया है ?
(iii) लेखक के अनुसार कर्म सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

[Turn over

विषमता शोषण की जननी है। समाज में जितनी विषमता होगी, सामान्यतः शोषण उतना ही अधिक होगा। स्वतन्त्रता प्राप्ति के 77 वर्षों बाद भी हमारे देश में सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक असमानता अधिक हैं जिसके कारण एक व्यक्ति एक स्थान पर शोषक तथा वही व्यक्ति दूसरे स्थान पर शोषित होता है। उपभोक्ता संरक्षण के सन्दर्भ में उपभोक्ता उस व्यक्ति या व्यक्ति समूह को कहा जाता है जो सीधे तौर पर किन्हीं भी वस्तुओं अथवा सेवाओं का उपयोग करते हैं। इस प्रकार सभी व्यक्ति कहीं न कहीं, किसी न किसी रूप में शोषण का शिकार होते हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का समुचित शीर्षक लिखिए। 1

(ii) उपभोक्ता किसे कहा जाता है ? 2

(iii) उपभोक्ता का शोषण क्यों होता है ? 2

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) श्रवण-श्रमण -

(अ) मेहनत और सुनना

(ब) सावन और कान

(स) सज्जन और दुर्जन

(द) कान और भिक्षु

(ii) भित्ति-भीत - <https://www.upboardonline.com>

(अ) भीतर और बाहर

(ब) दीवार और डरा हुआ

(स) भक्ति और भाग्य

(द) डरपोक और दीवार

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) कर

(ii) पुष्कर

(iii) विधि

(iv) अर्थ

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो एक दूसरे पर आश्रित हो -

(अ) पराश्रयी

(ब) अन्योन्याश्रित

(स) पराग्रही

(द) अपराश्रित

(ii) किसी वस्तु को प्राप्त करने की उत्कट इच्छा -

(अ) अभिलाषा

(ब) प्रतीक्षा

(स) महत्वाकांक्षा

(द) आकांक्षी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) प्रगल्भराज का भविष्य उज्ज्वल हो।

(ii) सज्जन पुरुष सब का भला चाहते हैं।

(iii) कृपया एक ठण्डा गिलास पानी लाइए।

(iv) उसने मेरे को पचास रुपया दिया।

- (क) 'तीर' रस अथवा 'करुण' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए। $1 + 1 = 2$
- (ख) 'सन्देह' अलंकार अथवा 'यमक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। $1 + 1 = 2$
- (ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'चौपाई' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए। $1 + 1 = 2$
4. अपने क्षेत्र में हो रहे अवैध कब्जों की समस्या-समाधान हेतु जिलाधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए। $2 + 4 = 6$

अथवा

- बालिका छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन प्रज्ञा को समय के महत्व को बताते हुए पत्र लिखिए। $2 + 7 = 9$
5. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए -
- (i) मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप
- (ii) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 : शैक्षिक क्रान्ति का एक सार्थक प्रयास
- (iii) वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ और समाधान
- (iv) नर हो, न निराश करो मन को।

119178

019559

302(HM)

2025

सामान्य हिन्दी

019559

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

- निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।
ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(खण्ड-क)

1. क) 'चंद छंद बरनन की महिमा' के लेखक हैं

i) सदल मिश्र	ii) लल्लूलाल	iii) गंग	iv) रामप्रसाद 'निरंजनी' 1
--------------	--------------	----------	---------------------------
- ख) वर्तमान युग में हिन्दी गद्य की प्रमुख भाषा है

i) भोजपुरी	ii) ब्रजभाषा	iii) खड़ीबोली	iv) अवधी 1
------------	--------------	---------------	------------
- ग) 'ज्ञानोदय' पत्रिका के सम्पादक हैं

i) 'अज्ञेय'	ii) माखनलाल चतुर्वेदी
iii) धर्मवीर भारती	iv) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' 1
- घ) आधुनिक हिन्दी एकांकी के जनक माने जाते हैं

i) लक्ष्मीनारायण मिश्र	ii) रामकुमार वर्मा	iii) उदयशंकर भट्ट	iv) विष्णु प्रभाकर 1
------------------------	--------------------	-------------------	----------------------
- ङ) हरिशंकर परसाई एक ख्यातिलब्ध लेखक हैं

i) 'यात्रावृत्त' के	ii) समीक्षा के
iii) 'जीवनी-साहित्य' के	iv) व्यंग्य विधा के 1
2. क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।' यह काव्य पंक्ति है

i) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की	ii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की
iii) मैथिलीशरण गुप्त की	iv) सोहनलाल द्विवेदी की 1
- ख) 'तारसप्तक' के कवियों को 'राहों के अन्वेषी' किसे कहा है ?

i) धर्मवीर भारती ने	ii) नामवर सिंह ने
iii) प्रभाकर माचवे ने	iv) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' ने 1

[Turn over

- ग) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' की रचना है
 i) 'भारतभारती' ii) 'वैदेही वनवास' iii) 'उर्वशी' iv) 'गुंजन' 1
- घ) निम्न में से कौन प्रगतिवादी कवि नहीं हैं ?
 i) नागार्जुन ii) केदारनाथ अग्रवाल
 iii) त्रिलोचन iv) गिरिजाकुमार माथुर 1
- ङ) प्रकृति के सुकुमार कवि हैं
 i) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' ii) महादेवी वर्मा
 iii) सुमित्रा नन्दन पन्त iv) जयशंकर प्रसाद 1

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $5 \times 2 = 10$

भाषा स्वयं संस्कृति का एक अटूट अंग है। संस्कृति परंपरा से निःसृत होने पर भी परिवर्तनशील और गतिशील है। उसकी गति विज्ञान की प्रगति के साथ जोड़ी जाती है। वैज्ञानिक आविष्कारों के प्रभाव के कारण उद्भूत नयी सांस्कृतिक हलचलों को शाब्दिक रूप देने के लिए भाषा के परंपरागत प्रयोग पर्याप्त नहीं हैं। इसके लिए नये प्रयोगों की, नयी भाव-योजनाओं को व्यक्त करने के लिए नये शब्दों की खोज की महती आवश्यकता है।

- पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- 'उद्भूत' और 'परंपरागत' शब्दों के अर्थ लिखिए।
- भाषा परिवर्तनशील क्यों है ?
- प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने किस बात पर बल दिया है ?

अथवा

मातृभूमि पर निवास करनेवाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथ्वी हो और मनुष्य न हो, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपादित होता है। जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है - (माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्याः।) - भूमि माता है, मैं उसका पुत्र हूँ। जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुंजी है। इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं।

5.

- प्रस्तुत गद्यांश के पाठ एवं लेखक का नाम लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- राष्ट्र का दूसरा अंग क्या है ?
- राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?
- राष्ट्रीयता की कुंजी क्या है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

$5 \times 2 = 10$

“क्या कर सकती थी, मरी मंथरा दासी,
 मेरा ही मन रह सका न निज विश्वासी।
 जल पंजर-गत अब अरे अधीर, अभागे,
 वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे।”

6.

- उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- iii) 'पंजर-गत' और 'ज्वलित' शब्दों के अर्थ लिखिए ।
- iv) कैकेयी अपने अन्तर्मन को 'अधीर' और 'अभागा' मानकर क्या कहती है ?
- v) 'जल पंजर-गत अब अरे अधीर अभागे' पंक्ति में प्रयुक्त अलंकार का नामोल्लेख कीजिए ।

अथवा

सामने टिकते नहीं बनराज, पर्वत डोलते हैं,
काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल,
मेरी बाँह में मारुत, गरुड़, गजराज का बल है ।
मर्त्य मानव की विजय का तूर्य हूँ मैं,
उर्वशी ! अपने समय का सूर्य हूँ मैं ।

- i) प्रस्तुत पद्यांश की कविता का शीर्षक और कवि के नाम का उल्लेख कीजिए ।
 - ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
 - iii) राजा पुरुरवा किससे अपने मन की स्थिति का वर्णन कर रहे हैं ?
 - iv) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस योजना का उल्लेख कीजिए ।
 - v) 'काँपता है कुंडली मारे समय का व्याल' इसका आशय स्पष्ट कीजिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
- i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
 - ii) वासुदेवशरण अग्रवाल
 - iii) हरिशंकर परसाई ।
- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5
- i) सुमित्रानन्दन पन्त
 - ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
 - iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

6. 'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' कहानी के उद्देश्य को अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

302(HM)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटनाओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक कौन हैं ? उनका चारित्रिक विश्लेषण कीजिए ।

ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के सर्वाधिक मार्मिक प्रसंग को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

iii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कृष्ण का चरित्रांकन कीजिए ।

iv) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

v) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य में वर्णित किसी प्रेरणास्पद कथा को अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'हर्ष एक सच्चा त्यागपथी था ।' उक्ति के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्रांकन कीजिए ।

vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के मार्मिक प्रसंगों का उद्धरण सहित वर्णन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्रचित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये :

2 + 5 = 7

शिक्षयैव देशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् । जनस्य महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रयच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति । <https://www.upboardonline.com>

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच- न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(i)

(ii)

(ii)

(ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ॥

व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

अथवा

विरल विरलाः स्थूलास्ताराः कलाविवसज्जनाः

मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः ॥

अपसरति च ध्वान्तं चिन्तात्सतामिवदुर्जनः

व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) नाक का बाल होना

(ii) टोपी उछालना

(iii) हाथ कंगन को आरसी क्या

(iv) पढ़े फारसी बेचें तेल ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

साहस और आत्म विश्वास के साथ जीना ही सच्चा जीवन है । साहसी व्यक्ति कभी भी अपना कर्म नहीं छोड़ता । एक बार असफल होने पर भी नयी उमंग, नये विश्वास व नये साहस से पुनःपुनरपि प्रयत्न करता है । ऐसे व्यक्ति के सामने पर्वत भी अपना सिर झुका लेते हैं और दुराशा उनके पास तक नहीं फटकती । ऐसे व्यक्ति ही अपने राष्ट्र व समाज के सच्चे अर्थों में नेता होते हैं । संसार का इतिहास ऐसे व्यक्तियों के कार्यकलापों से भरा पड़ा है । जिस देश में ऐसे कर्मवीर का जन्म हुआ, वह देश अपनी नींद से जाग उठा । जिस समाज में ऐसे व्यक्ति का प्रवेश हुआ, वह समाज उठ खड़ा हुआ । जिस दिशा में जन-नायक के पैर उठ गये, उसी दिशा में प्रकाश की किरण फूट पड़ी । हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी ऐसे ही कर्मवीर थे । हमारे लिए उनका यही सन्देश है, “फल की परवाह किये बिना अपना काम करते रहो, न कठिनाई से डरो, न बाधाओं से ।”

(i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए ।

(ii) सच्चा जीवन किसे कहते हैं ?

(iii) कर्मवीर की क्या विशेषताएँ होती हैं ?

अथवा

उड़नतस्तरी का अंग्रेजी पर्याय ‘अनआइडेण्टीफाइड फ्लाईंग ऑब्जेक्ट’ (यू०एफ०ओ०) है । ऐसा माना जाता है कि यह अति बुद्धिमान परग्रही जीव अर्थात् एलियन द्वारा निर्मित तस्तरी या डिस्कनुमा अत्याधुनिक तकनीक सम्पन्न ऐसी चीज़ है जिसका उपयोग अन्तरिक्ष यान के रूप में किया जाता है । यह अब तक जाँच का विषय बना हुआ है और वैज्ञानिकों के लिए एक अनसुलझा रहस्य है । “एलियंस का हमसे मिलना हमारे लिए अच्छा न हो सकेगा, जैसे कोलम्बस का अमेरिका की भूमि पर उतरना वहाँ के मूल निवासियों के लिए अच्छा न था ।” यह बात विश्वविख्यात वैज्ञानिक स्टीफन हार्किंग ने कही है । वर्ष 1954 में फ्लोरेन्स स्थित स्टेडियम में खेले जा रहे फुटबाल मैच के दौरान अचानक लोगों का ध्यान खेल से हटकर आकाश में तेजी से घूमती हुयी प्रकाशमान आवाज न करने वाली और गतिशील तश्तरीनुमा वस्तु पर गया, जो यू०एफ०ओ० था ।

(i) यू०एफ०ओ० का पूरा नाम क्या है ?

(ii) स्टीफन हार्किंग ने एलियंस के बारे में क्या कहा ?

(iii) एलियंस किन्हें कहा गया है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) तरंग-तुरंग -

(अ) हाथी और घोड़ा

(ब) लहर और घोड़ा

(स) घोड़ा और लहर

(द) तेज आवाज और धीमी आवाज

(ii) कंकाल-कंगाल -

(अ) मृत शरीर और पक्षी

(ब) अस्थि पंजर और निर्धन

(स) ढाँचा और गरीब

(द) हड्डी और कंगन

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) मंगल

(ii) तात

(iii) हेम

(iv) शिलीमुख

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार मानने वाला - <https://www.upboardonline.com>

(अ) कृतघ्न

(ब) उपकारी

(स) कृतज्ञ

(द) धन्यवादी

(ii) बहुत अधिक बोलने वाला -

(अ) मितभाषी

(ब) अधिभाषी

(स) वाचाल

(द) बकवादी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) प्रांजल, शिवाय और प्रवेक आएका ।

(ii) रमेश पुस्तक को पढ़ता है ।

(iii) केवल एक प्रश्न मात्र का उत्तर देना है ।

(iv) भारत में प्राथमिक शिक्षा निशुल्क है ।

12. (क) 'हास्य' रस अथवा 'शान्त' रस का लक्षण सहित एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'भ्रान्तिमान' अलंकार अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापन के आधार पर सम्बन्धित कॉलेज में 'कम्प्यूटर ऑपरेटर' के पद पर अपनी नियुक्ति हेतु उस कॉलेज के प्रबन्धक को आवेदन पत्र लिखिए जिसमें अपनी शैक्षिक योग्यता का भी उल्लेख कीजिए।

2 + 4 = 6

1019559

अथवा
अपने क्षेत्र के फर्जी राशन कार्डों की जाँच हेतु जिला पट्टी अधिकारी को शिकायती पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2 + 7 = 9

- (i) वन रहेंगे, हम रहेंगे
- (ii) ओलम्पिक खेल-2024 और भारत
- (iii) विद्यालय के पठन-पाठन में इण्टरनेट का योगदान
- (iv) प्राकृतिक आपदाएँ और उनका प्रबन्धन
- (v) कबीर की प्रासंगिकता।

302(HM) - 2,72,650

1019559

J

1019559

अनुक्रमांक

नाम

102

302(HL)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(खण्ड-क)

1. क) 'पुनर्नवा' उपन्यास के लेखक हैं

i) महावीर प्रसाद द्विवेदी

iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) हजारीप्रसाद द्विवेदी

iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

1

ख) 'महके आँगन चहके द्वार' के लेखक हैं

i) रामवृक्ष बेनीपुरी

iii) अमृतलाल नागर

ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

iv) हरिशंकर परसाई

1

ग) 'संस्कृति के चार अध्याय' के लेखक हैं

i) रघुवीर सिंह

iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

ii) डॉ० श्यामसुन्दर दास

iv) हजारीप्रसाद द्विवेदी

1

घ) मुंशी प्रेमचन्द द्वारा सम्पादित पत्र है

i) 'हंस'

iii) 'कर्मवीर'

ii) 'मर्यादा'

iv) 'धर्मयुग'

1

ड) निम्नलिखित में से कौन-सी रचना 'अज्ञेय' का यात्रा-वृत्तान्त है ?

i) 'स्मृतिलेखा'

iii) 'आँगन के पार द्वार'

ii) 'एक बूँद सहसा उछली'

iv) 'अपने अपने अजनबी'

1

2. क) 'चिदम्बरा' कृति किस रचनाकार की है ?

i) जयशंकर प्रसाद

iii) महादेवी वर्मा

ii) सुमित्रानंदन पंत

iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

1

ख) 'कामायनी' महाकाव्य किस काल की कृति है ?

i) आदिकाल युग

ii) भक्तिकाल युग

iii) रीतिकाल युग

iv) छायावाद युग

ग) 'तीसरा सप्तक' का प्रकाशन वर्ष है

i) सन् 1947

ii) सन् 1955

iii) सन् 1959

iv) सन् 1954

घ) 'रामधारी सिंह दिनकर' को काव्य कृति 'उर्वशी' पर कौन सा पुरस्कार प्राप्त हुआ था ?

i) 'साहित्य अकादमी पुरस्कार'

ii) 'मंगला प्रसाद पुरस्कार'

iii) 'ज्ञानपीठ पुरस्कार'

iv) सोवियत लैण्ड नेहरू पुरस्कार

ङ) 'राम की शक्ति पूजा' कृति के रचनाकार हैं

i) सुमित्रानंदन पंत

ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

iii) जयशंकर प्रसाद

iv) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है। यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनंदिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिए गए हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढंग से उधार लिए गए शब्द भले ही कामचलाऊ माध्यम से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं। यदि ग्रहण करना पड़े तो उन्हें भाषा की मूल प्रकृति के अनुरूप साहित्यिक शुद्धता प्रदान करनी पड़ती है। यहाँ प्रयत्न की आवश्यकता प्रतीत होती है।

i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?

iv) दैनिक व्यवहार में हम किन शब्दों का प्रयोग करते हैं ?

v) 'दैनंदिन' और 'अविकृत' शब्दों के अर्थ लिखिए।

अथवा

कहते हैं दुनियाँ बड़ी भुलकड़ है। केवल उतना ही याद रखती है, जितने से उसका स्वार्थ सधता है। बाकी को फेंककर आगे बढ़ जाती है। शायद अशोक से उसका स्वार्थ नहीं सधा। क्यों उसे वह याद रखती ? सारा संसार स्वार्थ का अखाड़ा ही तो है। अशोक का वृक्ष जितना भी मनोहर हो, जितना भी रहस्यमय हो, जितना भी अलंकारमय हो, परन्तु है वह उस विशाल सामंत सभ्यता की परिष्कृत रुचि का ही प्रतीक, जो साधारण प्रजा के परिश्रमों पर पली थी उसके रक्त के संसार कर्णों को खाकर बड़ी हुई थी और लाखों-करोड़ों की उपेक्षा से जो समृद्ध हुई थी। वे सामंत उखड़ गये, समाज ढह गये और मदनोत्सव की धूम-धाम भी मिट गई।

i) उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक एवं लेखक के नाम लिखिए।

ii) लेखक ने दुनिया को भुलकड़ क्यों कहा है ?

iii) अशोक वृक्ष किसकी परिष्कृत रुचि का प्रतीक है ?

iv) लेखक ने किस प्रकार के लोगों को स्वार्थी कहा है ?

v) 'परिष्कृत' और 'मदनोत्सव' शब्दों के अर्थ लिखिए।

⊕

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

यह मनुज ब्रह्मांड का सबसे सुरम्य प्रकाश
कुछ छिपा सकते न जिससे भूमि या आकाश
यह मनुज जिसकी शिखा उद्दाम
कर रहे जिसको चराचर भक्तियुक्त प्रणाम
यह मनुज जो सृष्टि का शृंगार
ज्ञान का विज्ञान का आलोक का आगार
व्योम से पाताल तक सब कुछ इसे है ज्ञेय
पर यह न परिचय मनुज का यह न उसका श्रेय ।

- उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- आकाश और पृथ्वी का कोई भी तत्व किससे अज्ञात नहीं रह सका ?
- संसार के सभी जड़ चेतन पदार्थ किस कारण मनुष्य को प्रणाम करते हैं ?
- 'उद्दाम' और 'आलोक' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

अथवा

छायाएँ मानव जन की,
नहीं मिटी लम्बी हो हो कर
मानव ही सब भाप हो गये
छायायें तो अभी लिखी हैं
झुलसे हुए पत्थरों पर
उजड़ी सड़कों की गच पर
मानव का रचा हुआ सूरज
मानव को भाप बनाकर सोख गया
पत्थर पर लिखी हुई यह
जली हुई छाया
मानव की साखी है

- उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- प्रस्तुत कविता में किस घटना का संकेत है ? स्पष्ट कीजिए ।
- 'मानव का रचा हुआ सूरज' किसे कहा गया है ?
- मानव जन की छायायें लम्बी हो हो कर क्यों नहीं मिटी ?
- 'गच' और 'साखी' शब्दों के अर्थ लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

- i) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
- ii) वासुदेवशरण अग्रवाल 1909 - 1967
- iii) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम ।

- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों को लिखें : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

- i) महादेवी वर्मा 1907 - 1987
- ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- iii) सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' ।

6. 'पंचलाइट' अथवा 'लाटी' कहानी का उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दें ।

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) <https://www.upboardonline.com>

- i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर 'दशरथ' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

- ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक संक्षिप्त रूप से अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

- iii) 'मुक्तियज्ञ' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथा का सारांश लिखिए ।

- v) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर असहयोग आन्दोलन की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

- vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर 'दुःशासन' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7
 याज्ञवल्क्यो मैत्रेयीमुवाच-मैत्रेयि ! उद्यास्यन् अहम् अस्मात् स्थानादस्मि । ततस्ते अनया कात्यायन्या विच्छेदं करवाणि इति । मैत्रेयी उवाच-यदीयं सर्वा पृथ्वी वित्तेन पूर्णा स्यात्, तत् किं तेनाहममृता स्यामिति । याज्ञवल्क्य उवाच-नेति । यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात् । अमृतत्वस्य तु ना शास्ति वित्तेन इति । सा मैत्रेयी उवाच-येनाहं नामृता स्याम् किमु तेन कुर्याम् । यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति तदेव मे ब्रूहि । याज्ञवल्क्य उवाच-प्रिया नः सतीत्यं प्रियं भाषसे । एहि उपविश व्याख्यास्यामि ते अमृत तत्वसाधनम् ।

अथवा

हिन्दी संस्कृताङ्ग भाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थानाय अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैव देशे समाजे व नवीनः प्रकाशः उदेतिः अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां काशी हिन्दू विश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत जनाश्च महत्यस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन्, तेन निर्मितोऽयं विशालः विश्वविद्यालयः भारतीयानां दानशीलतायाः श्रीमालवीयस्य यशसः च प्रतिमूर्तिरिव विभाति ।

- (ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7
 परोक्षे कार्यहन्तारं प्रत्यक्षे प्रियवादिनम् ।
 वर्जयेत्तादृशं मित्रं विषकुम्भं पयोमुखम् ॥

अथवा

विरलविरलाः स्थूलस्ताराः कलाविव सज्जनाः
 मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्नभः
 अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः
 व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2
 (i) दाँत खट्टे करना (ii) दाल में काला होना
 (iii) नाकों चने चबाना (iv) पौ बारह होना ।

10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संस्कृत में एक कहावत है कि दुर्जन दूसरों के राई के समान मामूली दोषों को पहाड़ के समान बड़ा बनाकर देखता है और अपने पहाड़ के समान बड़े पापों को देखते हुए भी नहीं देखता । सज्जन या महात्मा ठीक इसके विपरीत होते हैं । उनका ध्यान दूसरों के बजाय केवल अपने दोषों पर जाता है । अधिकांश व्यक्तियों में कोई न कोई बुराई अवश्य होती है । कोई भी बुराई न होने पर व्यक्ति देवता की कोटि में आ जाता है । मनुष्य को अपनी बुराइयों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए, न कि दूसरों की कमियों को लेकर छीटाकशी करने या टीका-टिप्पणी करने का । अपने मन की परख मन को पवित्र करने का सर्वोत्तम साधन है । आत्मनिरीक्षण आत्मोन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग है । अपनी भूलों पर ध्यान देना या उन्हें स्वीकार करना आत्मबल का चिह्न है । जो लोग दूसरों के सामने अपनी भूल नहीं मानते, वे सबसे बड़े कायर हैं । जिनका अन्तःकरण शीशे के समान उज्ज्वल है उसे तुरन्त अपनी भूल महसूस हो जाती है । मन तो दर्पण है, मन में पाप है, तो जग में पाप दिखाई देता है । पवित्र आचरण वाले मन को देखते हैं तो उन्हें लगता है अभी मुझमें कोई कमी शेष है यही उनकी नम्रता एवं साधना है ।

- (i) सज्जन या महात्माओं का आचरण कैसा होता है ? 2
 (ii) कौन से व्यक्ति देवता की कोटि में आते हैं ? 2
 (iii) आत्मोन्नति का सर्वश्रेष्ठ मार्ग क्या है ? 1

अथवा

बहुत-से विद्वानों ने तथा चिन्तकों ने इस बात को लेकर चिन्ता प्रकट की है, कि भारतीय समाज आधुनिकता से बहुत दूर है। तथा भारतीय अपने आपको आधुनिक बनाने का प्रयत्न भी नहीं कर रहे हैं। नैतिकता, सौन्दर्य बोध और अध्यात्म के समान आधुनिकता कोई शाश्वत मूल्य नहीं है। वह कई चीजों का एक सम्मिलित नाम है। औद्योगीकरण आधुनिकता की पहचान है। साक्षरता का सर्वव्यापी प्रसार आधुनिकता की सूचना देता है। नगर सभ्यता का प्राधान्य आधुनिकता का गुण है। सीधी-सादी अर्थव्यवस्था मध्यकालीनता का लक्षण है। आधुनिक देश वह है, जिसकी अर्थव्यवस्था जटिल और प्रसरणशील हो, और जो टेक ऑफ की स्थिति को पार कर चुकी हो। आधुनिक समाज मुक्त और मध्यकालीन समाज बंद होता है, वह समाज से प्रभाव ग्रहण नहीं करता, और अपने सदस्यों को भी धन या संस्कृति की दीर्घा में ऊपर उठने की खुली छूट नहीं देता। वह जातिप्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है तथा अंधविश्वासी गतानुगतिक एवं संकीर्ण है। आधुनिक समाज में उन्मुक्तता होती है वह सामरिक दृष्टि से भी बलवान होता है। जो देश अपनी रक्षा के लिये भी लड़ने में असमर्थ है, उसे आधुनिक कहलाने का कोई अधिकार नहीं है।

- (i) आधुनिकता की पहचान लेखक के अनुसार किन-किन तथ्यों से मिलकर होती है ? 2
- (ii) आधुनिक समाज को मुक्त कहने का क्या अभिप्राय है ? 2
- (iii) कौन समाज जातिप्रथा और गोत्रवाद से पीड़ित है ? 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) पुरुष-परुष -

- (अ) पुरु नामक राजा और क्रोध (ब) आदमी और कठोर
(स) व्यक्ति और असत्य वचन (द) पुरुषार्थ और कठोरता

1

(ii) तरंग-तुरंग -

- (अ) मन की लहर और शीघ्र (ब) लहर और घोड़ा
(स) हाथी और घोड़ा (द) तेज आवाज और धीमी आवाज

1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

- (i) अनन्त (ii) अक्षर
(iii) अक्षत (iv) अक्ष ।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसके पास कुछ न हो -

- (अ) निर्धन (ब) गरीब
(स) अकिंचन (द) अनाथ

1

(ii) जो कहा न जा सके -

- (अ) अनुकथन (ब) अनकहा
(स) अकथनीय (द) न कहने योग्य

1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए .

1 + 1 = 2

- (i) मैं सकुशलपूर्वक हूँ ।
- (ii) पाँच रेलवे के कर्मचारी पकड़े गये ।
- (iii) उसका प्राण निकलने वाला है ।
- (iv) आप प्रातःकाल के समय आइएगा ।

J297129

12. (क) 'वीर' रस अथवा 'करुण' रस का स्थायीभाव लिखकर उदाहरण दीजिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'चौपाई' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. बैंक में खाता खोलने के लिए बैंक प्रबंधक को प्रार्थनापत्र लिखिए ।

2 + 4 = 6

अथवा

अपने मुहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिये नगरपालिका के अध्यक्ष को एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2 + 7 = 9

- (i) मेरा प्रिय खेल
- (ii) नयी शिक्षा नीति की विशेषताएँ
- (iii) महिला सशक्तीकरण का समाज के विकास में प्रभाव
- (iv) आतंकवाद की समस्या और समाधान
- (v) विद्यालय में पुस्तकालय का महत्व ।

J297129

1 302(HL) - 2,72,650

= 2

J

J297129

⊕

अनुक्रमांक

नाम :

102

302(HK)

2025

सामान्य हिन्दी

0691

समय : तीन घण्टे 15 मिनट]

[पूर्णांक : 100

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो खण्डों — खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है ।

ii) दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(खण्ड-क)

1. क) 'अंधेर नगरी' किस विधा की रचना है ?
 i) उपन्यास ii) नाटक iii) कहानी iv) यात्रावृत्त 1
- ख) हिन्दी की प्रथम कहानी किसे माना जाता है ?
 i) रानी केतकी की कहानी ii) दुलाई वाली
 iii) इन्दुमती iv) ग्यारह वर्ष का समय 1
- ग) 'भारतेन्दु युग' की पत्रिका नहीं है
 i) आनंद कादम्बिनी ii) ब्राह्मण iii) सरस्वती iv) हरिश्चन्द्र चन्द्रिका 1
- घ) 'क्षण बोले कण मुस्काए' कृति के लेखक हैं
 i) प्रो० जी० सुन्दर रेड्डी ii) हरिशंकर परसाई
 iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' iv) 'अज्ञेय' 1
- ङ) 'नीड़ का निर्माण फिर' किसकी कृति है ?
 i) मुंशी प्रेमचन्द की ii) बालकृष्ण भट्ट की
 iii) हरिवंशराय 'बच्चन' की iv) प्रताप नारायण मिश्र की 1
2. क) 'अष्टयाम' के रचयिता हैं
 i) गोकुलदास ii) विठ्ठल नाथ iii) नाभादास iv) वल्लभाचार्य 1
- ख) 'रसकलश' कृति के रचयिता हैं
 i) जयशंकर प्रसाद ii) सुमित्रानंदन पन्त
 iii) महादेवी वर्मा iv) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 1

- ग) 'नीरजा' रचना है
- i) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की ii) मैथिलीशरण गुप्त की
- ii) महादेवी वर्मा की iv) जयशंकर प्रसाद की
- घ) 'साहित्य लहरी' के रचयिता हैं
- i) तुलसीदास ii) जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
- iii) महादेवी वर्मा iv) सूरदास
- ङ) 'परिमल' के रचनाकार हैं
- i) जयशंकर प्रसाद ii) 'अज्ञेय'
- iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' iv) गजानन माधव 'मुक्तिबोध'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

गाँवों और जंगलों में स्वच्छन्द जन्म लेनेवाले लोकिगीतों में तारों के नीचे विकसित लोककथाओं में संस्कृति का अमिट भंडार भरा हुआ है, जहाँ से आनंद की भरपूर मात्रा प्राप्त हो सकती है। राष्ट्रीय संस्कृति के परिचय काल में उन सबका स्वागत करने की आवश्यकता है।

पूर्वजों ने चरित्र और धर्म-विज्ञान, साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में जो कुछ भी पराक्रम किया है, उस सारे विस्तार को हम गौरव के साथ धारण करते हैं, और उसके तेज को अपने भावी जीवन में साक्षात् देखना चाहते हैं। यही राष्ट्र संवर्द्धन का स्वाभाविक प्रकार है। जहाँ अतीत वर्तमान के लिए भार रूप नहीं है, जहाँ भूत वर्तमान को जकड़ नहीं रखना चाहता, वरन् अपने वरदान से पुष्ट करके उसे आगे बढ़ाना चाहता है, उस राष्ट्र का हम स्वागत करते हैं।

- i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- iii) संस्कृति के वाहक और संरक्षक के रूप में किसका उदाहरण दिया गया है ?
- iv) लेखक के मतानुसार राष्ट्र की धरोहर क्या है ?
- v) एक राष्ट्र की उन्नति कब संभव है ?

अथवा

नवीनीकरण कितना ही प्रशस्त कार्य क्यों न हुआ हो उस प्रक्रिया में यह भूलना नहीं चाहिए कि भाषा का मुख्य कार्य सुस्पष्ट अभिव्यक्ति है। यदि सुस्पष्टता और निर्दिष्टता से कोई भी भाषा वंचित रहे तो वह भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी। नये शब्दों के निर्माण में भी यही बात सोचनी चाहिए। इस संदर्भ में यह भी याद रखना चाहिए कि हम पूर्वग्रहों से मुक्त होकर उस शब्द की मूल आत्मा तथा सार्थकता पर उन्मुक्त विचार कर सकें। अंग्रेजी भाषा शासकों की भाषा रही और वह दासता की निशानी है - ऐसा सोचकर यदि हम नये शब्दों का निर्माण करने में लग जायँ, तो नुकसान हमारा ही होगा, अंग्रेजों का नहीं। उर्दू में प्रयुक्त अरबी और फारसी ने शब्दों को जो इस्लाम धर्म को ज्ञापित करने वाली है, हिन्दी वाले त्यागना आरंभ करें, तो हिन्दी भाषा सहज भाषा न रहकर एकदम बनावटी बनेगी।

- i) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।
- ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- iii) कौन सी भाषा चिरकाल तक जीवित नहीं रह सकेगी ?
- iv) अंग्रेजी भाषा किसकी निशानी है ?
- v) 'निर्दिष्टता' और 'सुस्पष्टता' का अर्थ लिखिए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

लज्जाशीला पथिक महिला जो कहीं दृष्टि आये

होने देना विकृत वसना तो न तू सुंदरी को
जो थोड़ी भी श्रमित वह हो गोद ले श्रान्ति खोना
होंठों की औ कमल मुख की म्लानतायें मिटाना
ज्यों ही मेरा भवन तज तू स्वल्प आगे बढ़ेगी
शोभावाली सुखद कितनी मंजु कुंजें मिलेंगी
प्यारी छाया मृदुल स्वर से मोह लेंगी तुझे वे
तो भी मेरा दुख लख वहाँ जा न विश्राम लेना

- प्रस्तुत पद्यांश के कवि एवं पाठ के शीर्षक का उल्लेख कीजिए ।
- उपर्युक्त पद्यांश का प्रसंग लिखिए ।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- राधा पवन दूतिका से राह में मिलनेवाले पथिकों से कैसा व्यवहार करने को कहती है ?
- लज्जाशीला महिला के लिए राधा ने क्या कहा ?

अथवा

बैठी थी अचल तथापि असंख्य तरंगा,
वह सिंही अब थी हहा ! गोमुखी गंगा ।
“हाँ, जानकर भी मैंने न भरत को जाना,
सब सुन लें, तुमने स्वयं अभी यह माना ।
यह सच है तो फिर लौट चलो घर भैया,
अपराधिन मैं हूँ तात, तुम्हारी मैया ।”

- उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
 - ‘गंगा’ शब्द के दो पर्यायवाची लिखिए ।
 - रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
 - ‘सिंही’ और ‘गोमुखी’ गंगा से क्या अभिप्राय है ?
 - उपर्युक्त पद्यांश में प्रयुक्त रस और उसका स्थायी भाव लिखिए ।
5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)
- कन्हैयालाल मिश्र ‘प्रभाकर’
 - हरिशंकर परसाई
 - यामुदेवशरण अग्रवाल ।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 3 + 2 = 5

i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) जयशंकर प्रसाद ।

6. 'बहादुर' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का उद्देश्य पर प्रकाश डालिए : (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'ध्रुवयात्री' कहानी का वर्णन संक्षेप में कीजिए । (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए ।

(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) 5

i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के नायक की विशेषतायें अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेट' सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषतायें लिखिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपनी भाषा में लिखिए ।

iii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिये ।

<https://www.upboardonline.com> अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर 'नमक आन्दोलन' की कथावस्तु लिखिए ।

iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्द्धन का चरित्र-चित्रण कीजिये ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

v) 'आलोकवृत्त' का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की विशेषतायें लिखिए ।

vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर खण्डकाव्य की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' के आधार पर 'द्रौपदी चीरहरण' के कथानक का उल्लेख कीजिए ।



(खण्ड-ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये : 2 + 5 = 7
 धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोदभाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रमाविनी मुरभारती ।
 विद्यमानेषु निखिलेष्वपि चाङ्गमेषु अस्याः चाङ्गमयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि
 लोके प्रथिता अस्ति ।

अथवा

हंसराजः आत्मनः चित्तरचितं स्वामिकम् आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश । सा शकुनिसंघे अवलोकयन्ती
 मणिवर्णग्रीवं चित्र प्रेक्षणं मयूरं दृष्ट्वा 'अयं मे स्वामिको भवतु' इत्यभाषत् । मयूरः अद्यापि तावन्मे बलं न
 पश्यसि इति अति गर्वेण लज्जाञ्च त्यक्त्वा तावन्महतः शकुनिसंघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान् नृत्यन्
 चाप्रतिच्छन्नोऽभूत् । सुवर्णराजहंसः लज्जितः-अस्य नैव ह्रीः अस्ति न बर्हाणां समुत्थाने लज्जा । नास्मै
 गतत्रपाय स्वदुहितरं दास्यामि' इत्यकथयत् ।

- (ख) दिये गये पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 5 = 7
 काव्य-शास्त्र-विनोदेन कालो गच्छति धीमताम् ।
 व्यसनेन च मूर्खाणां निद्रया कलहेन वा ॥

अथवा

भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती ।

तस्या हि मधुरं काव्यं तस्मादपि सुभाषितम् ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2
 (i) का वर्षा जब कृषि सुखाने (ii) अधजल गगरी छलकत जाय
 (iii) आगे नाथ न पाछे पगहा (iv) अंत भला तो सब भला ।
10. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

कवि काव्य रचना की प्रेरणा प्रकृति से प्राप्त करता है । काव्य में जहाँ भी प्रकृति चित्रण होता है वहाँ उसमें मानव
 सम्बन्ध और मानव जीवन पर पड़नेवाले प्रभावों का प्रतिबिम्ब अवश्य रहता है ।

कवि जब मानवीय अन्तःक्षेत्र का चित्रांकन करता है, तो परोक्ष रूप से वह मानव जीवन का ही चित्रांकन करता
 है । काव्य मानव जीवन का चित्र है, जो आनंद, प्रेरणा और शक्ति का अजस्र स्रोत है ।

काव्य रचना की विभिन्न शैलियाँ हैं । मुक्तक, गीत, कविता, गजल, छंदहीन-कविता तथा आख्यान काव्य सभी
 काव्य रचना के प्रकार हैं । काव्य रचना विधाओं के विषय पर दृष्टिपात करने से काव्य के दो प्रधान रूप प्रतिष्ठित
 होते हैं - व्यक्तिगत काव्य और विषयगत काव्य ।

व्यक्तिगत काव्य में स्वानुभूतियों का चित्रण होता है । किसी वस्तु, व्यापार अथवा हृदय से प्राप्त होनेवाली अनुभूति
 कवि के निजीपन की आँच में तपकर जो निखरा हुआ रूप ग्रहण करती है, उसमें व्यक्ति तथ्य प्रधान होता है ।

बिहारी के दोहे, महादेवी जी के गीत तथा प्रसाद की आँसू जैसी रचनायें व्यक्तिगत काव्य के अन्तर्गत आती हैं ।

व्यक्तिगत काव्य में कवि की सफलता का प्रमाण यह है कि उसकी रचना में व्यक्त अनुभूति व्यक्ति प्रधान होते हुए
 भी पाठक को अपनी ही अनुभूति प्रतीत हो ।

- (i) व्यक्तिगत काव्य और विषयगत काव्य में क्या अंतर है ? 2
 (ii) कवि मानव जीवन का चित्रांकन कब करता है ? 2
 (iii) काव्य क्या है ? 1

अथवा

(८)

प्रतिकूल परिस्थितियों और विपदाओं का भी जीवन में महत्व है।

विपत्तियों का सामना करने से मनुष्य की सूझ-बूझ बढ़ती है, उसकी शक्तियाँ विकसित होती हैं। जीवन में प्रायः वे लोग सफल होते हैं जो शुरू से ही विपत्तियों से लोहा लेते हैं, उनसे सबक सीखते हैं। जिन कष्टों से बचा नहीं जा सकता उनके बारे में यह देखना चाहिए कि कैसे उनका अच्छे से अच्छा उपयोग हो सकता है। जिसने दुख का कड़वा स्वाद नहीं चखा, वह सुख के पीठेपन का आनंद भी नहीं समझ सकता। विपरीत परिस्थितियाँ मनुष्य के सोये हुए बल को जगाती हैं और उसकी दृढ़ता में बढ़ोतरी करती हैं। वास्तव में जो विपत्तियों से घबड़ाता है, वह निर्बल है। विपत्तियाँ हमें सावधान करती हैं, सजग बनाती हैं। भगवान पर विश्वास कर पुरुषार्थ करने से परिस्थितियों को बदला जा सकता है। पुरुषार्थ से पूर्व के कुसंस्कार नष्ट किए जा सकते हैं। केवल मन के दुर्बल होने पर ही विपत्तियाँ मनुष्य को विचलित करती हैं। मनुष्य में शक्ति का अक्षय भंडार भरा है। अगर जीवन में आत्मबल, धैर्य, साहस, पुरुषार्थ, विवेक और ईश्वर का आश्रय हो तो प्रत्येक परिस्थिति में विजय प्राप्त कर निरन्तर प्रगति के पथ पर बढ़ा जा सकता है। विषम परिस्थितियों और अड़चनों में भी प्रसन्न रहें, स्वस्थ रहें। संतुलन न खोयें, आदर्शों को न छोड़ें।

- (i) विपत्तियों से सामना करने के लाभों को लिखिए। 2
- (ii) जीवन में सफलता के लिये क्या आवश्यक है? 2
- (iii) पूर्व के कुसंस्कार नष्ट करने के लिए क्या आवश्यक है? 1

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

(i) यंत्रणा-मंत्रणा -

(अ) मशीनें और मंत्र की शक्ति

(ब) जादू और मंत्र

(स) कष्ट देना और विचार विमर्श

(द) टोना और झाड़ू-फूँक

1

(ii) अनुसरण-अनुकरण - <https://www.upboardonline.com>

(अ) पीछे रहना और बात करना

(ब) पीछे चलना और नकल करना

(स) अनुसार और कार्य

(द) पीछे देखना और नकल करना

1

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) लक्ष्य

(ii) नाक

(iii) पक्ष

(iv) द्विज।

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जो बूढ़ा न हो -

(अ) स्वस्थ व्यक्ति

(ब) अजर

(स) नौजवान

(द) कम उम्र का व्यक्ति

1

(ii) जिसका जन्म न हुआ हो -

(अ) पेट का बच्चा

(ब) आजन्म

(स) अजन्मा

(द) अज

1

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) समाचार पत्र मेज में रखा है ।

(ii) मैं इस लड़के को पढ़ाया हूँ ।

(iii) मैं आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ ।

(iv) कृपया पत्र लिखने की कृपा करें ।

12. (क) 'शृंगार' अथवा 'हास्य' रस का स्थायीभाव के साथ उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ख) 'अनुप्रास' अथवा 'यमक' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

(ग) 'दोहा' छन्द अथवा 'सोरठा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण एवं उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 = 2

13. निर्धन छात्र सहायता कोष से आर्थिक सहायता हेतु अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक आवेदन-पत्र लिखिए ।

6

अथवा

बैंक के शाखा प्रबंधक को उच्च शिक्षा ग्रहण करने हेतु ऋण प्राप्ति के लिए एक प्रार्थना-पत्र लिखिए ।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2 + 7 = 9

(i) नई शिक्षण व्यवस्था में कम्प्यूटर का योगदान

(ii) मेरा प्रिय कवि / लेखक

(iii) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

(iv) बेरोजगारी की समस्या और समाधान

(v) वृक्षारोपण का महत्व ।

302(HK) - 2,72,650

102

302(HJ)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
(ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – 'क'

1. (क) 'पाणिनीकालीन भारतवर्ष' नामक कृति के लेखक हैं :

1

- (A) बालकृष्ण भट्ट
(B) राधाचरण गोस्वामी
(C) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
(D) राजा लक्ष्मण सिंह

(ख) द्विवेदीयुगीन लेखक हैं :

1

- (A) रायकृष्ण दास
(B) अध्यापक पूर्ण सिंह
(C) चतुरसेन शास्त्री
(D) उदयशंकर भट्ट



(ग) रामचन्द्र शुक्ल लिखित कहानी है :

- (A) राजा भोज का सपना
- (B) इन्दुमती
- (C) एक टोकरी भर मिट्टी
- (D) ग्यारह वर्ष का समय

(घ) 'जहाज का पंछी' रचना की विधा है :

- (A) उपन्यास
- (B) नाटक
- (C) कहानी
- (D) आत्मकथा

(ङ) 'आनन्द कादम्बिनी' के सम्पादक थे :

- (A) बालकृष्ण भट्ट
- (B) रामनाथ 'सुमन'
- (C) बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन'
- (D) अमृतराय

2. (क) 'निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल' – यह कथन है :

- (A) महावीरप्रसाद द्विवेदी
- (B) बालमुकुन्द गुप्त
- (C) वियोगी हरि
- (D) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ख) 'कितनी नावों में कितनी बार' के रचयिता हैं :

1

- (A) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (B) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- (C) सुमित्रानन्दन पन्त
- (D) 'अज्ञेय'

(ग) छायावादयुगीन कवि हैं :

1

- (A) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- (B) प्रतापनारायण मिश्र
- (C) जयशंकर प्रसाद
- (D) श्रीधर पाठक

(घ) भारतेन्दुयुगीन रचना है :

1

- (A) आनन्द अरुणोदय
- (B) कामायनी
- (C) साकेत
- (D) भारत बारहमासा

(ङ) जयशंकर प्रसाद की काव्यकृति है :

1

- (A) 'अनामिका'
- (B) 'चित्राधार'
- (C) 'ग्राम्या'
- (D) 'दीपशिखा'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथ्वी हो और मनुष्य न हों तो राष्ट्र की कल्पना असम्भव है। पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप सम्पादित होता है। जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है -

(माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्याः ।)

- भूमि माता है और मैं उसका पुत्र हूँ।

जन के हृदय में इस सूत्र का अनुभव ही राष्ट्रीयता की कुञ्जी है। इसी भावना से राष्ट्र-निर्माण के अंकुर उत्पन्न होते हैं।

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- 2 - (ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) राष्ट्र की कल्पना कब तक असम्भव है ?
- (iv) पृथ्वी किसके कारण मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है ?
- (v) पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या-क्या करते हैं ?

अथवा

भाषा की साधारण इकाई शब्द है, शब्द के अभाव में भाषा का अस्तित्व ही दुरुह है। यदि भाषा में विकसनशीलता शुरू होती है तो शब्दों के स्तर पर ही। दैनन्दिन सामाजिक व्यवहारों में हम कई ऐसे नवीन शब्दों का इस्तेमाल करते हैं, जो अंग्रेजी, अरबी, फारसी आदि विदेशी भाषाओं से उधार लिये गए हैं। वैसे ही नये शब्दों का गठन भी अनजाने में अनायास ही होता है। ये शब्द अर्थात् उन विदेशी भाषाओं से सीधे अविकृत ढङ्ग से उधार लिये गए शब्द भले ही कामचलाऊ ढंग से प्रयुक्त हों, साहित्यिक दायरे में कदापि ग्रहणीय नहीं। <https://www.upboardonline.com>

- (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- (ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।
- (iii) भाषा की साधारण इकाई क्या है ?
- (iv) दैनिक व्यवहार में हम किन शब्दों का प्रयोग करते हैं ?
- (v) 'दैनन्दिन' और 'अविकृत' शब्द का अर्थ लिखिए।

नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ-वन बीच गुलाबी रंग ।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) उपर्युक्त पद्यांश में किसके सौन्दर्य का वर्णन किया गया है ?
- (iii) बिजली के फूल से क्या तात्पर्य है ?
- (iv) 'परिधान' और 'मृदुल' शब्द किसके पर्यायवाची शब्द हैं ?
- (v) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

मैं कब कहता हूँ जग मेरे दुर्धर गति के अनुकूल बने,

मैं कब कहता हूँ जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल बने ?

काँटा कठोर है तीखा है, उसमें उसकी मर्यादा है,

मैं कब कहता हूँ वह घटकर प्रांतर का ओछा फूल बने ?

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) 'दुर्धर' और 'प्रांतर' शब्दों के अर्थ लिखिए ।
- (iii) 'जीवन-मरु नन्दन-कानन का फूल' में कौन सा अलङ्कार है ?
- (iv) उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।
- (v) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- (i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
- (ii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'
- (iii) हरिशंकर परसाई
- (iv) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

- (ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए :

3 + 2 = 5

- (i) जयशंकर प्रसाद
- (ii) सुमित्रानन्दन पन्त
- (iii) महादेवी वर्मा
- (iv) 'अज्ञेय'

6. 'लाटी' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

5

अथवा

- 'ध्रुवयात्रा' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

5

- (क) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।
- (ख) (i) 'न्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।
(ii) 'न्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्ष का चरित्रांकन कीजिए ।
- (ग) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'आखेटक' सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।
(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।
- (घ) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।
- (ङ) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्राङ्कन कीजिए ।
(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।
- (च) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।
(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांश का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

धन्योऽयं भारतदेशः यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी, शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती । विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्याः वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते । इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति ।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन् । परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि, विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति । राष्ट्रायकस्य जवाहरलालमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सहभारतस्य मैत्री पञ्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत् । <https://www.upboardonline.com>

- (ख) दिये गये संस्कृत पद्यांश का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम् ।

वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः स्वयमेव सम्पदः ॥

अथवा

विरलविरलाः स्थूलास्ताराः कलाविव सज्जनाः

मन इव मुनेः सर्वत्रैव प्रसन्नमभून्मनः ॥

अपसरति च ध्वान्तं चित्तात्सतामिव दुर्जनः

व्रजति च निशा क्षिप्रं लक्ष्मीरनुद्यमिनामिव ॥

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

- अंधे के हाथ बटेर लगना
- गिरगिट की तरह रंग बदलना
- अन्त भला तो सब भला
- जंगल में मोर नाचा किसने देखा

10. अपठित पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में

चमकता हीरा है,

हर-एक छाती में आत्मा अधीरा है,

प्रत्येक सुष्मिता में विमल सदानीरा है,

मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक वाणी में

महाकाव्य पीड़ा है,

- | | |
|--|---|
| (i) उपर्युक्त पद्यांश में कवि ने क्या सन्देश दिया है ? | 1 |
| (ii) 'मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में चमकता हीरा है।' इसका आशय स्पष्ट कीजिए। | 2 |
| (iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए। | 2 |

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

- | | |
|-------------------|-----------------------|
| (i) अंस-अंश | 1 |
| (A) पूर्ण और भाग | (B) कन्धा और हिस्सा |
| (C) भाग और कन्धा | (D) इनमें से कोई नहीं |
| (ii) चान-बात | 1 |
| (A) हवा और वार्ता | (B) पवन और निश्चल |
| (C) अनल और वायु | (D) इनमें से कोई नहीं |

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) सुरभि

(ii) वारिद

(iii) नीरज

(iv) विधि

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) जिसका कहीं भी अन्त न हो

(A) अनन्त

(B) अगण्य

(C) असंख्य

(D) इनमें से कोई नहीं

(ii) 'जो बूढ़ा न हो'

(A) अमर

(B) अखण्ड

(C) अजर

(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 =

(i) मीरा कृष्ण भक्त कवियित्री है ।

(ii) मेरा बाल सफेद हो रहा है ।

(iii) वह नदी को गया ।

(iv) मोहन मेरा कनिष्ठ भ्राता है ।

12. (क) 'हास्य' अथवा 'शान्त' रस का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 =

(ख) 'यमक' अथवा 'उपमा' अलंकार का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 =

(ग) 'सोरठा' अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण और एक उदाहरण लिखिए ।

1 + 1 =

13. अपनी गली/मोहल्ले की नालियों की सफाई हेतु नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

6

अथवा

बैंक से किसी व्यवसाय को करने के लिए ऋण प्राप्ति हेतु आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

2 + 7 = 9

- (i) बेरोज़गारी की समस्या और समाधान
 - (ii) साहित्य समाज का दर्पण है
 - (iii) राष्ट्रीय एकता – वर्तमान समय की अनिवार्य आवश्यकता
 - (iv) पर्यावरण संरक्षण का महत्व
 - (v) विज्ञान वरदान है या अभिशाप
-

अनुक्रमांक

नाम

3880657

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

102

302(HI)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड – 'क'

1. (क) 'भाषा योगवाशिष्ठ' के लेखक हैं :

1

- (A) मुंशी सदासुखलाल
- (B) रामप्रसाद 'निरञ्जनी'
- (C) राजा शिवप्रसाद सिंह
- (D) सदल मिश्र

(ख) 'क्षण बोले कण मुस्काए' रचना की विधा है :

1

- (A) नाटक
- (B) उपन्यास
- (C) संस्मरण
- (D) निबन्ध



(ग) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' द्वारा लिखित कहानी है :

- (A) प्रणयिनी परिणय
- (B) ग्राम
- (C) सुखमय जीवन
- (D) जासूस का धोखा

(घ) शुक्लयुगीन लेखक हैं :

- (A) उदयशंकर भट्ट
- (B) महावीरप्रसाद द्विवेदी
- (C) राधाचरण गोस्वामी
- (D) बालकृष्ण भट्ट

(ङ) शुक्लोत्तर युगीन रचना है :

- (A) रेल का विकट खेल
- (B) कंकाल
- (C) गोदान
- (D) निराला की साहित्य-साधना

2. (क) 'एकान्तवासी योगी' कविता के रचनाकार हैं :

- (A) बालमुकुन्द गुप्त
- (B) अयोध्याप्रसाद खत्री
- (C) श्रीधर पाठक
- (D) इनमें से कोई नहीं

(ख) द्विवेदी युग के कवि हैं :

- (A) केदारनाथ अग्रवाल
- (B) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
- (C) रामनरेश त्रिपाठी
- (D) नरेश मेहता

(ग) 'बादल को घिरते देखा है' नागार्जुन की कविता का युग है :

1

- (A) प्रयोगवाद
- (B) छायावाद
- (C) द्विवेदी युग
- (D) प्रगतिवाद

(घ) प्रयोगवाद के प्रवर्तक हैं :

1

- (A) अज्ञेय
- (B) मैथिलीशरण गुप्त
- (C) सुमित्रानन्दन पन्त
- (D) निराला

(ङ) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है :

1

- (A) 1959
- (B) 1936
- (C) 1951
- (D) 1943

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

रवीन्द्रनाथ ने इस भारतवर्ष को 'महामानवसमुद्र' कहा है। विचित्र देश है यह ! असुर आये, आर्य आये, शक आये, हूण आये, नाग आये, यक्ष आये, गन्धर्व आये - न जाने कितनी मानव जातियाँ यहाँ आयीं और आज के भारतवर्ष को बनाने में अपना हाथ लगा गईं। जिसे हम हिन्दू रीति-नीति कहते हैं, ये अनेक आर्य और आर्येतर उपादानों का अद्भुत मिश्रण है। एक-एक पशु और एक-एक पक्षी न जाने कितनी स्मृतियों का भार लेकर हमारे सामने उपस्थित हैं। अशोक की भी अपनी स्मृति-परम्परा है। आम की भी, बकुल की भी, चम्पे की भी है। सब क्या हमें मालूम है ?

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- रेखाङ्कित अंश की व्याख्या लिखिए।
- रवीन्द्रनाथ ने किसे 'महामानवसमुद्र' कहा है ?
- भारतवर्ष के निर्माण में किन-किन जातियों का सहयोग रहा है ?
- उपर्युक्त गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

हमारी युवाशक्ति से सम्पर्क कायम करने के मेरे फैसले का आधार भी यही रहा है। उनके सपनों को जानना और उन्हें बताना कि अच्छे, भरे-पूरे और सुख-सुविधाओं से पूर्ण जीवन के सपने देखना तथा फिर स्वर्णिम युग के लिए काम करना सही है। आप जो कुछ भी करें वह आपके हृदय से किया गया हो, अपनी आत्मा को अभिव्यक्ति दें और इस तरह आप अपने आसपास प्यार तथा खुशियों का प्रसार कर सकेंगे।

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।
- स्वर्णिम युग के लिए कार्य करना कब सही है ?
- लेखक का युवा शक्ति से सम्पर्क कायम करने के फैसले का आधार क्या रहा है ?
- 'अभिव्यक्ति' तथा 'प्रसार' शब्द का अर्थ बताइए।

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यों प्यारे को विदित करके सर्व मेरी व्यथायें ।

धीरे-धीरे वहन करके पाँव की धूल लाना ।

थोड़ी सी भी चरण-रज जो ला न देगी हर्षे तू ।

हा ! कैसे तू व्यथित चित को बोध मैं दे सकूँगी ॥

पूरी होवे न यदि तुझसे अन्य बातें हमारी ।

तो तू मेरी विनय इतनी मान ले और चली जा ।

छू के प्यारे कमल-पग को प्यार के साथ आ जा ।

जी जाऊँगी हृदय हृदयतल में मैं तुझी को लगा के ॥

- (i) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) राधा पवन-दूतिका से किसकी धूल लाने को कहती है ?
- (iii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iv) राधा पवन-दूतिका से क्या-क्या प्रार्थना करती है ?
- (v) उपर्युक्त पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

मैं नाम-गोत्र से रहित पुष्प,

अंबर में उड़ती हुई मुक्त आनन्द शिखा

इतिवृत्तहीन,

सौन्दर्य चेतना की तरंग;

सुर-नर-किन्नर-गन्धर्व नहीं,

प्रिय ! मैं, केवल अप्सरा

विश्वनर के अतृप्त इच्छा-सागर से समुद्भूत ।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) इस पद्यांश में उर्वशी ने किसे अपना परिचय दिया है ?
- (iv) आकाश में उड़ती हुई स्वच्छ आनन्द की शिखा कौन है ?
- (v) उपर्युक्त पद्यांश का भाव लिखिए ।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) <https://www.upboardonline.com> 3 + 2 = 5

- (i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
- (ii) प्रो. जी. सुन्दर रेड्डी
- (iii) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 3 + 2 = 5

- (i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- (ii) रामधारी सिंह 'दिनकर'
- (iii) महादेवी वर्मा
- (iv) सुमित्रानन्दन पन्त

6. 'पंचलाइट' कहानी का कथासार अपने शब्दों में लिखिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) 5

अथवा

'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

5

- (क) (i) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।
- (ख) (i) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।
(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्रांकन कीजिए ।
- (ग) (i) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए ।
(ii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (घ) (i) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
(ii) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'श्रवण' सर्ग का कथानक लिखिए ।
- (ङ) (i) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग (नमक आन्दोलन) का कथानक लिखिए ।
(ii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।
- (च) (i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।
(ii) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए ।

खण्ड - 'ख'

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे,
जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै कामाय जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य
वित्तस्य च कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति ।

अथवा

हिन्दी-संस्कृताङ्गलभाषासु अस्य समानः अधिकारः आसीत् । हिन्दी-हिन्दुहिन्दुस्थानानामुत्थाय
अयं निरन्तरं प्रयत्नमकरोत् । शिक्षयैवदेशे समाजे च नवीनः प्रकाशः उदेति, अतः श्रीमालवीयः वाराणस्यां
काशीहिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापनमकरोत् । अस्य निर्माणाय अयं जनान् धनम् अयाचत् जनाश्च
महत्तमस्मिन् ज्ञानयज्ञे प्रभूतं धनमस्मै प्रायच्छन् ।

3880657

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक श्लोक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

प्रीणाति यः सुचरितैः पितरं स पुत्रो

यद्भर्तुमेव हितमिच्छति तत् कलत्रम् ।

तन्मित्रमापदि सुखे च समक्रियं यद्

एतत्त्रयं जगति पुण्यकृतो लभन्ते ॥

अथवा

अये लाजानुच्चैः पथि वचनमाकर्ण्य गृहिणी

शिशोः कर्णौ यत्नात् सुपिहितवती दीनवदना ॥

मणि क्षीणोपाये यदकृतं दृशावश्रुबहुले

तदन्तःशल्यं मे त्वमसि पुनरुद्धर्तुमुचितः ॥

3880657

3880657

9. निम्नलिखित लोकोक्तियों एवं मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) अन्त भला तो सब भला

(ii) घी का लड्डू टेढ़ा भला

(iii) आग बबूला होना

(iv) टेढ़ी खीर होना

10. अपठित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

भारत भौतिक दृष्टि से पिछड़ गया और इसलिए उसकी आध्यात्मिकता नाममात्र रह गयी । अशक्त आत्मानुभूति नहीं कर सकता । बिना अभ्युदय के निःश्रेयस की सिद्धि नहीं होती । अतः आवश्यक है कि हम बल-संवर्द्धन करें, अभ्युदय के लिए प्रयत्नशील हों, जिससे अपने रोगों को दूर कर स्वास्थ्य लाभ कर सकें तथा विश्व के लिए भारत बनकर उसकी प्रगति में साधक और सहायक हो सकें ।

- (i) भौतिक दृष्टि से भारत की क्या स्थिति है ?
- (ii) निःश्रेयस की सिद्धि किससे होती है ?
- (iii) सशक्त होना क्यों आवश्यक है ?

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए :

1 + 1 = 2

(i) कृत - कृति <https://www.upboardonline.com>

(A) रचना - पुस्तक

(B) किया हुआ - रचना

(C) कार्य - निर्मित

(D) इनमें से कोई नहीं

(ii) श्रवण - श्रमण

(A) सुनेना - भ्रमण

(B) भिक्षु - कर्ण

(C) का - भिक्षु

(D) इनमें से कोई नहीं

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो सही अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

- (i) नग
- (ii) नाग
- (iii) द्विज
- (iv) पवन

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द चयन करके लिखिए :

1 + 1 = 2

- (i) ईश्वर में विश्वास करने वाला
(A) नास्तिक
(B) आस्तिक
(C) अजर
(D) अमर
- (ii) जो नष्ट होने वाला हो
(A) नश्वर
(B) अविनाशी
(C) अकिंचन
(D) इनमें से कोई नहीं

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

- (i) मोहन ने आलमारी खरीदा ।
- (ii) मेरा बाल सफेद हो रहा है ।
- (iii) आज मेरा बड़ा भाई आ गया ।
- (iv) पक्षी पेड़ में हैं ।

12. (क) 'शृंगार' अथवा 'वीर रस' का लक्षण लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए। 2
- (ख) 'रूपक' अथवा 'अनुप्रास' अलंकार का लक्षण लिखते हुए एक उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2
- (ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का लक्षण (मात्रा सहित) लिखकर एक उदाहरण लिखिए। 1 + 1 = 2
13. विद्यालय में रिक्त लिपिक पद पर नियुक्ति हेतु विद्यालय-प्रबन्धक के नाम आवेदन-पत्र लिखिए। 2 + 4 = 6

अथवा

बैंक-प्रबन्धक के नाम एक आवेदन-पत्र लिखिए, जिसमें किसी व्यवसाय को स्थापित करने हेतु ऋण की माँग की गई हो। 2 + 4 = 6

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9
- (i) आतंकवाद की समस्या – कारण और निवारण
 - (ii) अन्तरिक्ष में भारत के बढ़ते कदम
 - (iii) बढ़ती जनसंख्या और रोजगार की समस्या
 - (iv) विद्यार्थी-जीवन में अनुशासन का महत्त्व
 - (v) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

अनुक्रमांक _____

नाम _____

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 11

102

302(HH)

2025

सामान्य हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट

पूर्णांक : 100

नोट :

- (i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।
- (ii) इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

खण्ड - क

1. (क) निम्नलिखित में से कौन सी रचना हिन्दी गद्य की प्रारम्भिक रचनाओं में गिनी जाती है ?

1

- (A) गोरखबानी
- (B) चर्यापद
- (C) उक्ति व्यक्ति प्रकरण
- (D) सत्यवती कथा

(ख) 'हिन्दी प्रदीप' नामक मासिक पत्र किस साहित्यकार द्वारा निकाला जाता था ?

1

- (A) प्रतापनारायण मिश्र
- (B) बालकृष्ण भट्ट
- (C) भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- (D) महावीरप्रसाद द्विवेदी



(ग) 'कलम का सिपाही' के लेखक हैं -

- (A) प्रेमचन्द
- (B) रामवृक्ष बेनीपुरी
- (C) अमृतराय
- (D) रामविलास शर्मा

1357288

(घ) 'शेखर : एक जीवनी' रचना की विधा है -

- (A) कहानी
- (B) उपन्यास
- (C) जीवनी
- (D) आत्मकथा

1357288

(ङ) निम्नलिखित में से ललित निबन्धकार हैं :

- (A) रामचन्द्र शुक्ल
- (B) सरदार पूर्ण सिंह
- (C) कुबेरनाथ राय
- (D) श्यामसुन्दर दास

1357288

2. (क) 'प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना कब हुई ?

- (A) 1943 ई.
- (B) 1936 ई.
- (C) 1954 ई.
- (D) 1963 ई.

1357288

(ख) महादेवी वर्मा की रचना है -

1

- (A) धूप के धान
- (B) पल्लव
- (C) सांध्यगीत
- (D) उर्वशी

(ग) 'अष्टछाप' के कवि नहीं हैं -

1

- (A) नन्ददास
- (B) छीतस्वामी
- (C) भिखारीदास
- (D) सूरदास

(घ) 'तार सप्तक' के प्रवर्तक हैं -

1

- (A) निराला
- (B) दिनकर
- (C) पन्त
- (D) अज्ञेय

(ङ) सूफी काव्यधारा के कवि हैं -

1

- (A) रसखान
- (B) रहीम
- (C) जायसी
- (D) नानक

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मातृभूमि पर निवास करने वाले मनुष्य राष्ट्र का दूसरा अंग हैं। पृथ्वी हो और मनुष्य न हों, तो राष्ट्र की कल्पना असंभव है। पृथ्वी और जन दोनों के सम्मिलन से ही राष्ट्र का स्वरूप संपादित होता है। जन के कारण ही पृथ्वी मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है। पृथ्वी माता है और जन सच्चे अर्थों में पृथ्वी का पुत्र है।

- पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
- राष्ट्र की कल्पना कब असंभव है ?
- पृथ्वी और जन दोनों मिलकर क्या करते हैं ?
- पृथ्वी कब मातृभूमि की संज्ञा प्राप्त करती है ?
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

अथवा

नये शब्द, नये मुहावरे एवं नयी रीतियों के प्रयोगों से युक्त भाषा को व्यावहारिकता प्रदान करना ही भाषा में आधुनिकता लाना है। दूसरे शब्दों में केवल आधुनिक युगीन विचारधाराओं के अनुरूप नये शब्दों के गढ़ने मात्र से ही भाषा का विकास नहीं होता, बरन् नये पारिभाषिक शब्दों एवं नूतन शैली प्रणालियों को व्यवहार में लाना ही भाषा को आधुनिकता प्रदान करना है।

- उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
- रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
- भाषा में आधुनिकता कैसे लायी जा सकती है ?
- किसके गढ़ने मात्र से भाषा का विकास नहीं होता है ?
- इस गद्यांश के माध्यम से लेखक ने किन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला है ?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

5 × 2 = 10

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन
हे अस्थिशेष ! तुम अस्थिहीन,
तुम शुद्ध बुद्ध आत्मा केवल,
हे चिर पुराण ! हे चिर नवीन !

तुम पूर्ण इकाई जीवन की
जिसमें असार भव-शून्य लीन,
आधार अमर, होगी जिस पर
भावी की संस्कृति समासीन।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) प्रस्तुत पद्यांश में कवि का आशय क्या है ?
- (iv) कौन अस्थियों का ढाँचा प्रतीत होता है ?
- (v) गांधीजी का जीवन किसका आधार है ?

अथवा

समर्पण लो सेवा का सार
सजल संसृति का यह पतवार;
आज से यह जीवन उत्सर्ग
इसी पदतल में विगत विकार ।

बनो संसृति के मूल रहस्य
तुम्हीं से फैलेगी वह बेल;
विश्वभर सौरभ से भर जाय
सुमन के खेलो सुन्दर खेल ।

- (i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।
- (ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
- (iii) यह किन दो पात्रों का संवाद है ?
- (iv) सृष्टि का क्रम कैसे बढ़ेगा ?
- (v) 'सजल संसृति' का क्या अर्थ है ?

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उसकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- (i) हजारीप्रसाद द्विवेदी
- (ii) पं. दीनदयाल उपाध्याय
- (iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

3 + 2 = 5

- (i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- (ii) जयशंकर प्रसाद
- (iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'

6. 'खून का रिश्ता' अथवा 'पंचलाइट' कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

अथवा

'बहादुर' अथवा 'लाटी' कहानी के कथानक पर प्रकाश डालिए।

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द)

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए :

(अधिकतम शब्द-सीमा : 80 शब्द) <https://www.upboardonline.com>

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गांधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु को संक्षेप में लिखिए।

(iii) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु को अपने शब्दों में वर्णित कीजिए।

(iv) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर राज्यश्री का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक लिखिए ।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्रांकन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'संदेश सर्ग' की कथावस्तु संक्षेप में वर्णित कीजिए ।

(vi) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

खण्ड - ख

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

2 + 5 = 7

अथैकः शकुनिः सर्वेषां मध्यादाशयग्रहणार्थं त्रिकृत्वः अश्रावयत् । ततः एकः काकः उत्थाय 'तिष्ठ तावत्, अस्य एतस्मिन् राज्याभिषेककाले एवं रूपं मुखं, क्रुद्धस्य च कीदृशं भविष्यति ? अनेन हि क्रुद्धेन अवलोकिताः वयं तप्तकटाहे प्रक्षिप्तास्तिलाः इव तत्र घङ्क्ष्यामः । ईदृशो राजां मह्यं न रोचते' इत्याह ।

अथवा

याज्ञवल्क्य उवाच - न वा अरे मैत्रेयि ! पत्युः कामाय पतिः प्रियो भवति । आत्मनस्तु वै कामाय पतिः प्रियो भवति । न वा अरे, जायायाः कामाय जाया प्रिया भवति, आत्मनस्तु वै जाया प्रिया भवति । न वा अरे, पुत्रस्य वित्तस्य च कामाय पुत्रे वित्तं वा प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाया पुत्रो वित्तं वा प्रियं भवति । न वा अरे, सर्वस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति, आत्मनस्तु वै कामाय सर्वं प्रियं भवति ।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

सहसा विदधीत न क्रियांविवेकः परमापदां पदम् ।

वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुणलुब्धाः हि स्वयमेव सम्पदः ॥

अथवा

वज्रादपि कठोराणि मृदूनि कुसुमादपि ।

लोकोत्तराणां चेतांसि को न विज्ञातुमर्हति ॥

1357233

9. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए :

1 + 1 = 2

- (i) हवा में तलवार चलाना
- (ii) अपने मुँह मियाँ मिट्टू बनना
- (iii) मिट्टी में मिलाना
- (iv) नौ दो ग्यारह होना

1357233

10. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ का चयन करके लिखिए :

(i) अविराम – अभिराम

1

- (A) लगातार और रुचिकर
- (B) बिना रुके और सुंदर
- (C) अनवरत और कठिन
- (D) गतिशील और सुगम

1357233

(ii) विहग – विहंग

1

- (A) पक्षी और बालक
- (B) पक्षी और तोता
- (C) पक्षी और आकाश
- (D) आकाश और पक्षी

1357233

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए :

1 + 1 = 2

- (i) पूत
- (ii) कनक
- (iii) अम्बर
- (iv) जलद

1357288

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही शब्द का चयन करके लिखिए :

(i) बिना वेतन लिए काम करने वाला -

1

- (A) सवैतनिक
- (B) अवैतनिक
- (C) वेतनमुक्त
- (D) सेवानिवृत्त

1357288

(ii) प्रिय बोलने वाली -

1

- (A) प्रिया
- (B) प्रियाशा
- (C) प्रियंवदा
- (D) प्रीति

1357288

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए :

1 + 1 = 2

- (i) शिवानी एक विद्वान् लेखिका थीं।
- (ii) सीता घर जाता है।
- (iii) पुस्तक मेज में रखी है।
- (iv) गोष्ठी में अनेकों विद्वानों के भाषण हुए।

1357288

11. अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

आचरण का विकास जीवन का परमोद्देश्य है। आचरण के विकास के लिए नाना प्रकार की सामग्रियों का, जो संसार सम्भूत शारीरिक, प्राकृतिक, मानसिक और आध्यात्मिक जीवन में वर्तमान हैं, उन सबका आचरण के विकास के साधनों के संबंध में विचार करना होगा। आचरण के विकास के लिए जितने कर्म हैं, उन सबको आचरण के संघटनकर्त्ता धर्म के अंग मानना पड़ेगा। चाहे कोई कितना ही बड़ा महात्मा क्यों न हो, वह निश्चयपूर्वक यह नहीं कह सकता कि यों ही करो, और किसी तरह नहीं। आचरण की सभ्यता की प्राप्ति के लिए वह सबको एक पथ नहीं बता सकता।

(क) जीवन का परम उद्देश्य क्या है ?

1

(ख) आचरण के विकास के संबंध में क्या विचार आवश्यक है ?

2

(ग) 'आध्यात्मिक' और 'संघटनकर्त्ता' शब्दों का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

2

अथवा

कर्म में आनन्द अनुभव करने वालों का नाम ही कर्मण्य है। धर्म और उदारता उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनन्द भरा रहता है कि कर्त्ता को वे ही फलस्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास और तुष्टि होती है, वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। <https://www.upboardonline.com>

(क) कर्मण्य किन्हें कहा जाता है ?

1

(ख) किस विधान में दिव्य आनन्द भरा रहता है ?

2

(ग) 'लोकोपकारी कर्मवीर' का आशय स्पष्ट कीजिए।

2

12. (क) 'हास्य रस' अथवा 'वीर रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए।

1 + 1 = 2

(ख) 'श्लेष' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

1 + 1 = 2

(ग) 'सोरठा' अथवा 'चौपाई' छन्द का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए।

1 + 1 = 2

13. अपने नगर में संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के संबंध में स्थानीय निकाय के अधिकारी को एक पत्र लिखिए।

6

अथवा

स्व-रोजगार प्रारम्भ करने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए निकटस्थ बैंक के शाखा-प्रबन्धक को एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए :

9

- (i) वृक्षारोपण एवं वन संरक्षण
- (ii) महिला सशक्तीकरण
- (iii) आधुनिक जीवन की विसंगतियाँ
- (iv) काकोरी एक्शन डे का महत्त्व
- (v) गोस्वामी तुलसीदास